March 2022

SRMS Trust Bulletin

आयाम

SRMS के इंजीनियरिंग कॉलेजों का 21वां दीक्षांत समारोह

- PAGE 03

श्री राम मूर्ति मैमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित

- PAGE 07

फोटो कम्पटिशन में शुप्रा कुमारी को पहला स्थान

- PAGE 12

- स्वतंत्रता सेनानी राममूर्ति जी ने सहर्ष दान कर दी 30 एकड़ जमीन – PAGE 02
- SRMS रिद्धिमा में हुनर को सलाम– PAGE 10
- SRMS मेडिकल कॉलेज में पीजी स्टूडेंट के लिए स्टेट ट्रेनिंग सेंटर स्थापित– PAGE 13
- ट्रस्ट की पुरस्कृत कहानी 'नवनिर्माण'- PAGE 14

उपलब्धियों भरा मार्च

एसआरएमएस ट्रस्ट के लिए मार्च का महीना उपलब्धियों भरा रहा। इसी माह एसआरएमएस ट्रस्ट के बरेली और उन्नाव स्थित इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट का 21वां कंवोकेशन आयोजित किया गया। इसमें बीटेक, बीफार्मा, एमबीए, एमसीए, एमटेक और एमफार्मा पाठ्यक्रमों के सत्र 2017-18 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उपाधियां, प्रशस्ति पत्र एवं पदक प्रदान किए गए। डा.एपीजे एकेटीयू के कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार मिश्रा और बंगलुरु स्थित सीडैक के कार्यकारी निदेशक डा. एसडी सुदर्शन की मौजूदगी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर ट्राफी और नकद पुरस्कार मिलना इन विद्यार्थियों के लिए बड़े गर्व की बात थी। इस माह की दूसरी उपलब्धि श्री राममूर्ति मैमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन रहा। एसआरएमएस क्रिकेट अकादमी की ओर से आयोजित इस टूर्नामेंट में बरेली, मुरादाबाद और अमरोहा की आठ टीमों ने हिस्सा लिया। इसका खिताब भले ही रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी ने जीता हो लेकिन दर्शकों का दिल उपविजेता रहने वाली एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी की टीम ने जीता। यहां के खिलाड़ी अनंत भटनागर प्लेयर आफ द टूर्नामेंट बने। ऐसे दोनों महत्वपूर्ण आयोजनों पर सभी को बधाई।

जय हिंद

अमृत कलश

"पानी की तरह बनो जो अपना
रास्ता स्वयं बनाता है,
पत्थर की तरह नहीं जो दूसरों
का रास्ता भी रोक लेता है।"

EDITORIAL TEAM

Amit Awasthi	-	Editor
Shivam Sharma	-	Correspondent
Indu Dixit	-	Photographer
Dharmedra Kumar	-	Photographer
Yasmeen Khan	-	Designer
Vineet Sharma	-	(Co-Ordinator, IMS)
Dr. Ekta Rastogi	-	(Co-Ordinator, IBS)

Mail us: amit.awasthi@srms.ac.in, www.srms.ac.in

13 km., Ram Murti Puram, Nainital Road, Bhojipura Bareilly (U.P.) Mob.: 9458706090, 0581-2582000

सहर्ष दान कर दी 30 एकड़ जमीन

स्व. श्री राम मूर्ति जी
08.02.1910 - 02.10.1988

बात वर्ष 1951 की है। अंग्रेजों की गुलामी से देश आजाद हो चुका था। इसके विकास की योजनाएं संचालित की जा रही थीं। सभी लोग अपने अपने स्तर से इसके लिए प्रयासरत थे। आचार्य विनोबा भावे ने भी इसके लिए भूदान आंदोलन संचालित किया। जिसके दान से सरकार भूमिहीन किसानों को जमीन देकर उनके जीवन को भी निराश्रित बना सके। देश भर में लोग इस भूदान आंदोलन में शामिल होकर यथाशक्ति आहूति अर्पित कर रहे थे। ऐसे समय स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी भला कब पीछे रहने वाले थे। उन्होंने अपनी 30 एकड़ कृषि भूमि बिना किसी लोभ के भूदान आंदोलन में अर्पित कर दी। उन्होंने कहा भी कि जनहित और राष्ट्रहित से बढ़ कर उनके लिए कुछ भी नहीं। वे कहते थे कि उनके लिए सबसे पहले राष्ट्र है। उसके बाद समाज। इन सबके आगे उनका हित कोई मायने नहीं रखता। भूदान आंदोलन में उनकी आहूति को लोगों ने अपने दिल से लगाया। स्वहित छोड़ने से उनकी लोकप्रियता और भी बढ़ी। श्रमदान आंदोलन में भी उन्होंने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री रहे पं. गोविन्द बल्लभ पंत के साथ उन्होंने खेतों में काम कर श्रमदान भी किया। राष्ट्रहित और लोकहित में सर्वस्व अर्पण करने वाले स्वर्गीय राम मूर्ति जी को सादर नमन।

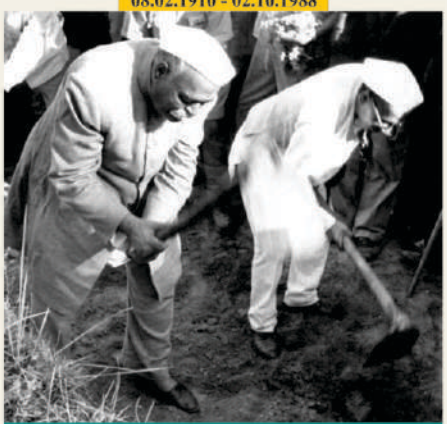

उ.प्र. के पहले मुख्यमंत्री पं.गोविंद बल्लभ पंत के साथ श्रमदान करते श्रीराम मूर्ति जी (फोटो एसआरएमएस आर्काइव)

ऋचा मूर्ति को उत्कृष्टता सम्मान 2022

दैनिक समाचार पत्र अमर उजाला की ओर से शहर के विकास में योगदान देने में अपने दायित्वों का श्रेष्ठ निर्वहन करने वाली हस्तियों को सम्मानित किया गया। एसआरएमएस गुडलाइफ हास्पिटल की ओर से प्रदान की जा रही उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं के लिए ऋचा मूर्ति जी को सम्मानित किया गया। 13 मार्च को होटल रेडिसन में महापौर डा.उमेश गौतम, एडीजी राजकुमार और एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने ऋचा मूर्ति जी को उत्कृष्टता सम्मान प्रदान किया। इस मौके पर सीएमएस डा.अलका शर्मा, सीएआरआई के वैज्ञानिक डा.जगमोहन सहित शहर के नामचीन लोग मौजूद थे।

डा. एपीजे एकेटीयू के कुलपति प्रो. (डा.) प्रदीप कुमार मिश्रा ने दिया संदेश

शिक्षित होने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण जरूरी

एसआरएमएस ट्रस्ट के इंजीनियरिंग महाविद्यालयों का 21वां दीक्षांत समारोह

दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों के साथ एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन श्री देव मूर्ति जी, एकेटीयू के वीसी डॉ. प्रदीप मिश्रा और डॉ. एसडी सुदर्शन

- सीईटी बरेली की अक्षिता सक्सेना, सीईटीआर की प्रगति पटेल और सीईटी उन्नाव के सौरभ सिंह को 'श्री राममूर्ति गोल्ड मैडल' के साथ 51,000 रुपये का नगद पुरस्कार
- ट्रस्ट के बरेली और उन्नाव स्थित संस्थानों में अपनी ब्रांच में सर्वाधिक अंक हासिल करने वाले नौ विद्यार्थियों को गोल्ड मैडल के साथ 21 हजार रुपये का ईनाम दिया गया
- खेल स्पर्धाओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली सीईटी बरेली की छात्रा आकृति सिंह और सीईटीआर के छात्र शीशपाल सिंह ने हासिल की स्पेशल प्राइज ट्राफी

डिग्री वितरण

बरेली: बरेली स्थित श्री राममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी में 24 मार्च 2022 को श्री राम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट के इंजीनियरिंग महाविद्यालयों का इक्कीसवां दीक्षांत समारोह (XXI Convocation) का आयोजन हुआ। इसमें बी.टैक., बी. फार्मा, एम.बी.ए., एम.सी.ए., एम.टैक एवं एम. फार्मा पाठ्यक्रमों के सत्र 2017-18 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उपाधियां, प्रशस्ति पत्र एवं पदक वितरित किये गये। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता डा. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. (डा.) प्रदीप कुमार मिश्रा ने की। जबकि मुख्य अतिथि के रूप में बंगलुरु स्थित सीडैक के कार्यकारी निदेशक डा. एसडी सुदर्शन और एसआरएमएस ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी देवमूर्ति जी मौजूद रहे। प्रो. (डा.) प्रदीप कुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों को सिर्फ आंखों देखी और कानों सुनी बातों पर विश्वास करने से परहेज करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सिर्फ किताबी ज्ञान की जानकारी होना शिक्षित होना नहीं है। शिक्षित होने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना जरूरी है।

बरेली के श्री राममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलाजी, श्री राममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग टैक्नालाजी एण्ड रिसर्च एवं उन्नाव स्थित श्री राममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नालाजी के विद्यार्थियों के लिए आयोजित दीक्षांत समारोह एसआरएमएस सीईटी के श्री राममूर्ति शातिक प्रेक्षागृह में हुआ। ट्रस्ट चेयरमैन देवमूर्ति जी ने अतिथियों और समारोह में मौजूद अभिभावकों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आज सभी डिग्री प्राप्तकर्ताओं के लिए जीवन का एक बड़ा और यादगार दिन है, क्योंकि आज न केवल आपके सपने सच हो रहे हैं बल्कि जिन लोगों ने आपके लिए और आपके साथ सपने देखे हैं उनके सपने भी सच हो रहे हैं। अपने माता-पिता एवं गुरुजनों का आदर एवं सेवा करना आपका धर्म है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार की नई शिक्षा नीति के अनुसार तकनीकी शिक्षा में काफी बदलाव आया है उसी के अनुसार एकेटीयू और एसआरएमएस ने भी कैरीकुलम में काफी बदलाव किये हैं। उन्होंने कहा कि माननीय कुलपति महोदय से मेरा आग्रह है कि सभी विषयों के कैरिकुलम में ओपन इलैक्टिवस का प्रावधान रखें कि जिससे महाविद्यालय अपने स्तर से कुछ ओपन इलैक्टिवस खोल सके जिससे छात्रों को

संदेश

उद्योग के लिये तैयार किया जा सकें। उन्होंने कहा कि एसआरएमएस ने कोर इंजीनियरिंग ब्रान्च जैसे इलैक्ट्रीकल, इलैक्ट्रानिक्स एवं मैकेनिकल के कैरीकुलम को कम्प्यूटर इंजीनियरिंग के वैल्यू ऐडिड कोर्सस के साथ इस तरह से एकीकृत किया है कि कोर इंजीनियरिंग के छात्रों को आई0टी0 इनविल्ड आटोमेशन के युग में आसानी से बढिया प्लेसमेंट मिल पाये। इसमें इलैक्ट्रीकल में इलैक्ट्रिक व्हीकल, इलैक्ट्रानिक्स में आई0ओ0टी0 इम्बेडिड सिस्टम, मैकेनिकल में रोबोटिक्स एवं आटोमेशन, Additive Manufacturing, Computer Science esa AI and ML, Cloud Computing and Data Science के कोर्स करा रहें है। महाविद्यालय द्वारा MBA, MCA B-Tech and B-Pharm में "Earn While You Learn" स्कीम भी शुरू की गयी है, जिसमें छात्रों को Hands & On Exposure मिले। इससे रुपये 10 लाख प्रतिवर्ष से लेकर रुपये 25 लाख प्रतिवर्ष तक का प्लेसमेंट मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि कि वर्ष 2022 में पास होने वाले बैच का 85 प्रतिशत प्लेसमेंट पूर्ण हो चुका है जिसमें अधिकतम पैकेज लगभग रुपये 10 लाख प्रतिवर्ष तथा न्यूनतम पैकेज रुपये तीन लाख प्रतिवर्ष है। उन्होंने ट्रस्ट द्वारा संचालित सामाजिक कार्यो की भी जानकारी दी। महाविद्यालय के डीन एकेडिमिक्स प्रो. (डा.) प्रभाकर गुप्ता ने सभी गणमान्य अतिथियों का परिचय कराया। उन्होंने श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट महाविद्यालयों, की सत्र 2020-21 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। साथ ही महाविद्यालय में संचालित हो रही विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष महाविद्यालयों में एक राष्ट्रीय सेमिनार, एक नेशनल कान्फ्रेस एवं 24 वर्कशाप का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय के शिक्षकों के 74 शोध पत्र विभिन्न राष्ट्रीय और अन्तराष्ट्रीय जनरलों में प्रकाशित हुये। 25 शोध-पत्रों को विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय सेमिनारों में प्रस्तुत किया गया है। ट्रस्ट द्वारा अपने महाविद्यालयों के मेधावी छात्र/छात्राओं को तीन करोड़ धनराशि की छात्रवृत्ति भी वितरत करने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में महाविद्यालयों के 332 मेधावी विद्यार्थियों को ट्रस्ट द्वारा तीन करोड़ की छात्रवृत्ति दी गई है। सत्र 2017-18 के छात्र/छात्राओं का राष्ट्रीय और अन्तराष्ट्रीय कम्पनियों में 85 प्रतिशत प्लेसमेन्ट हुआ है, जिनमें 61 प्रतिशत का एक से अधिक बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में चयन हुआ है। ट्रस्ट कालेजों के छात्र/छात्राओं की तीन इंडस्ट्रीयल विजिट भी आयोजित की गई। उन्होंने बताया की विश्वविद्यालय की सत्र 2017-18 की परीक्षाओं में ट्रस्ट कालेजों के शत प्रतिशत छात्र/छात्राओं उर्त्तीण हुये हैं, जिसमें 38.53 प्रतिशत छात्र/छात्रायें आनर्स में एवं 58 प्रतिशत प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुये। सी डैग के कार्यकारी निदेशक डा. एसडी सुदर्शन ने देवमूर्ति जी एवं सभागार में उपस्थित सभी गणमान्य लोगों का धन्यवाद किया और महान विभूती, गांधीवादी विचारक एवं स्वतत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाने वाले श्री राम मूर्ति जी को श्रृद्धासुमन अर्पित किये। उन्होंने डिग्रीधारियों से इस दिन को जीवन यात्रा का महत्वपूर्ण दिन बताया। उन्होंने डिग्रीधारियों को संबोधित करते हुये कहा कि आपके अथक प्रयास और निष्ठा से उद्योग और अकादमिक अन्तर कम हुआ और इनके संबंध भी सबल हुये। उन्होंने एसआरएमएस के छात्र/छात्राओं के मूल्यों एवं विचारो की भी सराहना की और इसके लिये उन्होंने मैनेजमेन्ट, शिक्षकगणों को भी बधाई दी।

डा. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. (डा.) प्रदीप कुमार मिश्रा ने छात्र/छात्राओं को दीक्षा दिलाई। उन्होंने कहा कि दीक्षांत का का अर्थ केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं होता। भारतीय संस्कृति के अनुसार दीक्षांत का अर्थ डिग्री के साथ-साथ संस्कार प्राप्त करना भी होता हैं। उन्होंने दीक्षांत समारोह में उपस्थित सभी डिग्री प्राप्तकर्ताओं को उदाहरण देकर अपने लक्ष्यों को सिर्फ मेहनत से ही प्राप्त करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हमें ज्ञान परख समाज, मानव परख विचार एवं नवपरिवर्तन पर जोर देना चाहिये। उन्होंने कहा कि इसी से जीवन में सफलता हासिल की जा सकती है। उन्होंने व्यावसायिक शिक्षा एवं चिकित्सीय शिक्षा में अंवेषण एवं विकास के क्षेत्र में एसआरएमएस के योगदान को सराहा और सराहनीय योगदान से राष्ट्र एवं सामाजिक मूल्यों के संबर्धन में अमूल्य योगदान देते रहने की उम्मीद जताई।

दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को डिग्री के साथ प्रशस्ति पदक प्रदान किए गए। इसके साथ ही सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को ट्राफी और नकद पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। देवमूर्ति जी एवं प्रो. (डा.) प्रदीप कुमार मिश्रा ने बीटेक में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा अक्षिता सक्सेना को 'श्री राममूर्ति गोल्ड मैडल' एवं 51,000 रुपये नगद पुरस्कार से सम्मानित किया। बीटेक में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रा निकिता वर्मा को 'श्री राममूर्ति सिल्वर मैडल', बीटेक में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्र रेमन गंगवार को 'श्री राममूर्ति ब्रान्ज मैडल', बीटेक में आल राउण्डर छात्र चिराग मेहरोत्रा को 'प्रेम

स्मृति चिह्न

प्रो. प्रदीप मिश्रा

डॉ. सुदर्शन

प्रकाश गुप्ता चौरिटेबिल फाउंडेशन गोल्ड मैडल' प्रदान किया गया। कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग में अपने बैच में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रा निकिता वर्मा को 'ई. सुभाष मेहरा गोल्ड मैडल एवं 21,000 रुपये नगद पुरस्कार प्रदान किए गए। इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन में अपने बैच में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र अंकित हसेजा को 'डा. ऊषा मेहरा गोल्ड मैडल' एवं 21,000 रुपये नगद पुरस्कार मिला। इलेक्ट्रिकल एण्ड इलेक्ट्रानिक्स में ब्रॉच टापर शैलेष कुमार यादव ने 'ई. पीएन गुप्ता गोल्ड मैडल' एवं 21,000 रुपये नगद पुरस्कार हासिल किया। इनफार्मेशन एण्ड टेक्नालाजी ब्रांच टापर अक्षिता सक्सेना को लक्ष्मी भूषण गोल्ड मैडल मिला। मैकेनिकल इंजीनियरिंग में ब्रांच टापर चिराग मेहरोत्रा ने 'डा. आशा गुप्ता गोल्ड मैडल' के साथ 21,000 रुपये प्राप्त किए। खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए आकृति सिंह को 'विशेष पुरस्कार' दिया गया। बीफार्मा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा हफजा खान को 'श्री राममूर्ति गोल्ड मैडल' एवं 21,000 रुपये प्रदान किए गए। बीफार्मा में अपने बैच में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा श्रुति गुप्ता को 'श्री राममूर्ति सिल्वर मैडल', बी. फार्मा में अपने बैच में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र अर्पित गुप्ता को 'श्री राममूर्ति ब्रौंज मैडल' प्रदान किया गया। देव मूर्ति जी एवं प्रो. (डा.) प्रदीप कुमार मिश्रा ने एमसीए में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा अपूर्वा शर्मा को 'श्री राममूर्ति गोल्ड मैडल' के साथ 21,000 रुपये नगद पुरस्कार दिया। एमसीए में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा निधि विश्वास को 'श्री राममूर्ति सिल्वर मैडल', एमसीए में तृतीय पर रहे छात्र प्रशांत नेगी को 'श्री राममूर्ति ब्रौंज मैडल'। एमबीए में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा कीर्ति सिंह को 'श्री राममूर्ति गोल्ड मैडल' के साथ 21,000 रुपये नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। एमबीए में द्वितीय प्राप्त करने वाली छात्रा गरिमा सिंघल को 'श्री राममूर्ति सिल्वर मैडल', एमबीए में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र अकिंत मिश्रा को 'श्री राममूर्ति ब्रौंज मैडल' प्रदान किया गया। श्री राममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग टेक्नालाजी एण्ड रिसर्च में बी.टेक में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा प्रगति पटेल को 'श्री राममूर्ति गोल्ड मैडल' के साथ 51,000 रुपये नगद पुरस्कार दिया गया। बी.

टेक में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र ललित कश्यप को 'श्री राममूर्ति सिल्वर मैडल', बी.टेक में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा अचल रस्तोगी को 'श्री राममूर्ति ब्रान्ज मैडल', बी.टेक. में आल राउण्डर छात्र अनिकेत शर्मा को 'श्री राममूर्ति गोल्ड मैडल' प्रदान किया गया। इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन में अपने बैच में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली कु. प्रगति पटेल को 'श्री राममूर्ति गोल्ड मैडल' एवं कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग में ब्रांच टापर ललित कश्यप को 'श्री राममूर्ति गोल्ड मैडल' एंव 21,000 रुपये नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। कम्प्यूटर साईस एवं इंजीनियरिंग में अपने बैच में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र शीशपाल सिंह को 'श्री राममूर्ति गोल्ड मैडल' दिया गया।

श्री राममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिगं एण्ड टेक्नालाजी, उन्नाव के बी. टेक में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र सौरभ कुमार सिंह ने 'श्री राममूर्ति गोल्ड मैडल' के साथ ही 51,000 रुपये हासिल किए। बी.टेक में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र हर्ष श्रीवास्तव को 'श्री राममूर्ति सिल्वर मैडल', बी.टेक में तृतीय स्थान पर रही छात्रा श्रृष्टि श्रीवास्तव को 'श्री राममूर्ति ब्रांज मैडल' प्रदान किया गया। कम्प्यूटर साईस एवं इंजीनियरिंग में अपने बैच में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले हर्ष श्रीवास्तव को 'श्री राममूर्ति गोल्ड मैडल', इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन में अपने बैच में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र सौरभ कुमार सिंह को 'श्री राममूर्ति गोल्ड मैडल' के साथ 21,000 रुपये का नगद पुरस्कार दिया गया। मैकेनिकल इंजीनियरिंग में ब्रांच टापर फिजा जमा को 'श्री राममूर्ति गोल्ड मैडल' दिया गया। कार्यक्रम के अंत में फार्मेसी विभाग के डायरेक्टर डा. नितिन शर्मा सभी अतिथियों एवं पूर्व छात्रों को धन्यवाद दिया। दीक्षांत समारोह का संचालन रूचि शाह ने किया। इस मौके पर भोजीपुरा विधायक शहजिल इस्लाम, श्यामल गुप्ता जी. रजनी अग्रवाल जी, इंजीनियर सुरेश सुंदरानी, गुरु मेहरोत्रा, एसआरएमएस मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा. एसबी गुप्ता, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.आरपी सिंह, पैरमेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा.कृष्ण गोपाल, नर्सिग कालेजे की प्रिंसिपल डा.रिंटू चतुर्वेदी, डा. पियूष कुमार, डा.ललित सिंह, सभी विभागाध्यक्ष और स्टाफ मौजूद रहा।

LIST OF AWARDEES STUDENTS

SHRI RAM MURTI GOLD MEDAL & 51000/Rs

- ASHITA SAXENA (89.22%, IT, B.TECH. CET Bareilly)
- PRAGATI PATEL (85.33%, EC, B.TECH. CETR, Bareilly)
- SAURABH KUMAR SINGH (83.32%, EC, B.TECH.CET, UNNAO)

SHRI RAM MURTI GOLD MEDAL & 21000/Rs

- KIRTI SINGH (81.94% MBA, CET, Bareilly)
- APOORVA SHARMA (83.17%, MCA, CET, Bareilly)
- LALITA KASHYAP (84.46%, CS, B.TECH. CETR, Bareilly)
- HAFZA KHAN (86.62%, B.PHARMA, CET Bareilly)
- HARSH SRIVASTAVA (82.28%, CS, B.TECH.CET, UNNAO)

DR. ASHA GUPTA GOLD MEDAL & 21000/Rs

- CHIRAG MEHROTRA (85.85 %, ME, B.TECH. CET Bareilly)
- ER. SUBHASH MEHRA GOLD MEDAL & 21000/Rs
- NIKITA VERMA (88.29 %, CS, B.TECH. CET Bareilly)
- DR. USHA MEHRA GOLD MEDAL & 21000/Rs

ANKIT HASEEJA (85.69%, EC, B.TECH. CET Bareilly)

- ER. P.N. GUPTA GOLD MEDAL & 21000/Rs

SHAILESH YADAV (86.71 %, EN, B.TECH. CET Bareilly)

SHRI RAM MURTI GOLD MEDAL

- SAURABH KUMAR SINGH (83.32 %, EC, B.TECH.CET, UNNAO)
- FAIZ ZAMA (70.64%, ME, B.TECH.CET, UNNAO)
- ANIKET SHARMA (80.40%, CS, B.TECH. CETR, Bareilly)
- KM. PRAGATI PATEL (85.33%, EC, B.TECH. CETR, Bareilly)

PREM PRAKASH GUPTA CHARITABLE FOUNDATION GOLD MEDAL

- CHIRAG MEHROTRA (85.85%, ME, B.TECH. CET Bareilly)
- LAXMI BHUSHAN VARSHNEY GOLD MEDAL

ASHITA SAXENA (89.22%, IT, B.TECH. CET Bareilly)

SHRI RAM MURTI SILVER MEDAL

- NIKITA VERMA (88.29%, CS, B.TECH. CET Bareilly)
- SHRUTI GUPTA (85.31%, B.PHARMA, CET Bareilly)
- GARIMA SINGHAL (80.96% MBA, CET, Bareilly)
- NIDHI BISWAS (83.00%, MCA, CET, Bareilly)
- LALITA KASHYAP (84.46%, CS, B.TECH. CETR, Bareilly)
- HARSH SRIVASTAVA (82.28%, CS, B.TECH.CET, UNNAO)
-

SHRI RAM MURTI BRONZE MEDAL

- RAYMAN GANGWAR (88.15%, CS, B.TECH. CET Bareilly)
- ARPIT GUPTA (83.96%, B.PHARMA, CET Bareilly)
- ANKIT MISHRA (76.10% MBA, CET, Bareilly)
- PRASHANT NEGI (82.69%, MCA, CET, Bareilly)
- AANCHAL RASTOGI (83.75%, CS, B.TECH. CETR, Bareilly)
- SRISHTI SRIVASTAVA (79.50 %, CS, B.TECH.CET, UNNAO)

A SPECIAL PRIZE FOR THE OUTSTANDING IN OVERALL SPORT ACTIVITIES

- AKRITI SINGH (EC, B.TECH. CET Bareilly)
- SHIS PAL SINGH, 76.94 %, CS, B.TECH. CETR, Bareilly)

बरेली, मुरादाबाद, अमरोहा की आठ टीमें हुई वनडे प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट में शामिल

रुक्मणी को श्री राममूर्ति मैमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट खिताब

टूर्नामेंट में विजेता रुक्मणी एकेडमी टीम के साथ बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के संरक्षक आदित्य मूर्ति जी व एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारी

- विजेता रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी को ट्राफी के साथ मिला 21 हजार रुपये का पुरस्कार
- रनर अप रही एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी की टीम को मिला 15000 रुपये ईनाम
- एसआरएमएस क्रिकेट अकादमी के खिलाड़ी अनंत भटनागर रहे प्लेयर आफ द टूर्नामेंट
- पांच विकेट लेने वाले रुक्मणी के अमान सिद्दिकी बने फाइनल मैच के मैन आफ द मैच
- एसआरएमएस क्रिकेट स्टेडियम में नाकआउट आधार पर खेले गए टूर्नामेंट के सारे मैच

सम्मान

बरेली: मुरादाबाद की रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी ने एसआरएमएस क्रिकेट अकादमी को बड़े अंतर से हरा कर श्री राममूर्ति मैमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट 2022 का खिताब अपने नाम किया। रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी ने विजेता ट्राफी के साथ 21 हजार रुपये का पुरस्कार हासिल किया। उप विजेता रही एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी की टीम को रनर अप ट्राफी के साथ 15000 रुपये मिले। एसआरएमएस क्रिकेट अकादमी के अनंत भटनागर प्लेयर आफ द टूर्नामेंट चुने गए। उन्हें ट्राफी के साथ 2500 रुपये का पुरस्कार मिला। फाइनल मैच में पांच विकेट लेने वाले रुक्मणी क्रिकेट अकादमी के अमान सिद्दिकी मैन आफ द मैच बने। उन्हें मैन आफ द मैच की ट्राफी के साथ 1100 रुपये का ईनाम दिया गया। ट्राफी और 1100 रुपये का ईनाम सभी मैचों में मैन आफ द मैच घोषित खिलाड़ियों को दिया गया। विजेता और रनर अप टीमों के साथ खिलाड़ियों को ट्राफियां एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी और बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के संरक्षक आदित्य मूर्ति जी ने प्रदान किए।

श्रीराममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी स्थित क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित टूर्नामेंट का फाइनल मैच 10 मार्च को एसआरएमएस क्रिकेट अकादमी और मुरादाबाद की रुक्मणी क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। एसआरएमएस टीम के कप्तान फरहान ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। रुक्मणी की टीम ने निर्धारित 40 ओवर में 271 रनों का स्कोर खड़ा किया, जिसमें अक्षु बाजवा ने सर्वाधिक 54 रन बनाए। इसके साथ ही नयन गुप्ता ने 47 रन, आकिब अंसारी ने 46 और कासिम साफी ने 40 रनों का योगदान दिया। एसआरएमएस की तरफ से ह्रदेश ने पांच और कप्तान फरहान ने अपनी टीम के लिए दो विकेट लिए। निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी एसआरएमएस की टीम की शुरुआत खराब रही और एक के बाद एक बल्लेबाज पवेलियन लौटते गए। जिससे एसआरएमएस की टीम 14.5 ओवर में मात्र 71 रन पर आलआउट हो गई। रुक्मणी टीम ने इस मैच को 202 रनों के बड़े अंतर से जीत लिया। उसके खिलाड़ी अमान सिद्दिकी ने सर्वाधिक पांच विकेट झटककर मैन आफ द मैच की ट्राफी पर कब्जा जमाया। इसके साथ ही अक्षु बाजवा ने तीन और मिर्जा इंतजार बेग ने दो विकेट लिए। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन श्री देव मूर्ति जी ने अमान सिद्दिकी को मैन आफ द मैच की ट्राफी प्रदान की। साथ ही मैन आफ द टूर्नामेंट रहे अनंत भटनागर को बीसीए सेक्रेटरी सीताराम सक्सेना ने ट्राफी दी। टूर्नामेंट में राजीव सैनी और मोहम्मद फैजान ने अंपायरिंग की। इस मौके पर ट्रस्ट सचिव और बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के संरक्षक आदित्य मूर्ति जी, बीसीए के प्रेसिडेंट सरफराज वली खान, बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी सीताराम सक्सेना बीसीए मेंबर आरके सिंह, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी के कोच बदरुद्दीन, टूर्नामेंट सचिव मनीष सिंह, नितिन सक्सेना, शंकर पाल, मोहम्मद यूसुफ मौजूद और नरेंद्र गंगवार मौजूद रहे।

बरेली क्रिकेट क्लब बनाम एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी

एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी की ओर से श्रीराममूर्ति मैमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट 2022 का आगाज तीन मार्च को हुआ। श्रीराममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के डीन डा. प्रभाकर गुप्ता ने इसका उद्घाटन किया। पहला मुकाबला एसआरएमएस क्रिकेट अकादमी और बरेली क्लब के बीच हुआ। बरेली क्रिकेट क्लब के कप्तान कार्तिक सिंह ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। एसआरएमएस की टीम ने ओपनर अनंत भटनागर के शानदार 124 (नाबाद) रन और अनंतवीर ने 81 रनों की बदौलत 320 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में बरेली क्रिकेट क्लब की पारी 104 रन पर सिमट गई। अनंत भटनागर को मैन आफ द मैच चुना गया।

आर्यन क्रिकेट अकादमी अमरोहा बनाम आरसीसी क्लब बरेली

टूर्नामेंट का दूसरा मैच चार मार्च को आरसीसी क्रिकेट क्लब बरेली और आर्यन क्रिकेट एकेडमी जोया (अमरोहा) के बीच हुआ। आरसीसी के कप्तान मजीद हसन खान ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। आरसीसी की टीम ने 211 रनों का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आर्यन क्रिकेट एकेडमी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 31 ओवर में ही 214 रन बनाकर आसान जीत हासिल की। अनमोल प्रकाश ने 82 रनों बना कर अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम योगदान दिया। वहीं कप्तान शोएब सिद्दीकी ने 62 और सचिन पाल ने 48 रनों की पारी खेली। अनमोल प्रकाश को मैन आफ द मैच चुना गया। बरेली क्रिकेट बोर्ड के मेंबर राकेश शर्मा ने मैन आफ द मैच की ट्राफी प्रदान की।

रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी मुरादाबाद बनाम आईके इलेवन बरेली

टूर्नामेंट का तीसरा मैच पांच मार्च को मुरादाबाद की रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी और बरेली के आईके इलेवन के बीच मैच खेला गया। एसआरएमएस ट्रस्ट सेक्रेटरी और बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के संरक्षक आदित्य मूर्ति ने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया। रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी के कप्तान सीपी सैनी ने पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। आईके इलेवन टीम का कोई भी बल्लेबाज क्रीज पर ज्यादा समय नहीं टिक सका। टीन ने किसी तरह 40 ओवर में 182 रन बनाए। अंत तक रोमांचक रहे इस मैच में रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी ने दो विकेट से जीत हासिल की। आईके इलेवन के बल्लेबाज मुख्तार अशरफ को मैन आफ द मैच की ट्राफी डा. सोवन मोहंती ने प्रदान की।

उप विजेता एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी टीम के साथ बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के संरक्षक आदित्य मूर्ति जी व एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारी

ब्रोसिड क्रिकेट एकेडमी बरेली बनाम खलीफा क्रिकेट एकेडमी

टूर्नामेंट का चौथा मैच सात मार्च को बरेली की ब्रोसिड क्रिकेट एकेडमी और खलीफा क्रिकेट एकेडमी के बीच मैच हुआ। टास जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी ब्रोसिड एकेडमी टीम ने सलामी बल्लेबाजों की मदद से 40 ओवर में 236 रन बनाए। जवाब में खलीफा क्रिकेट एकेडमी अकादमी की शुरुआत धीमी रही। ब्रोसिड क्रिकेट अकादमी के ऋषभ मिश्रा ने 5 विकेट झटक कर टीम की बल्लेबाजी को बिखेर दिया। ब्रोसिड क्रिकेट एकेडमी ने खलीफा क्रिकेट एकेडमी को 65 रनों से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। ब्रोसिड क्रिकेट अकादमी के गेंदबाज राहुल मिश्रा को बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के सदस्य राजन मनोहर जी ने मैन आफ द मैच को ट्राफी प्रदान की।

ब्रोसिड एकेडमी बरेली बनाम एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी

टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल मैच 8 मार्च को एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी और ब्रोसिड क्रिकेट एकेडमी बरेली के बीच हुआ। टास जीत कर ब्रोसिड की टीम ने 29 ओवर में 108 रन बनाए। जवाब में एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी के ओपनर अनंत भटनागर और आरव सिंह ने पहले विकेट के लिए 47 रनों की साझेदारी की। अनंत ने नाबाद 36 रन और हिमांशु सिंह ने 28 रन बनाए। एसआरएमएस ने 17 ओवर में 110 रन बनाकर इस मैच को छह विकेट से जीतकर फाइनल में जगह सुनिश्चित कर ली। ब्रोसिड एकेडमी के बल्लेबाजी बिखेरने वाले एसआरएमएस के गेंदबाज दक्ष चंदेल को मैन आफ द मैच चुना गया। मैच में राजीव सैनी और मोहम्मद फैजान ने अंपायरिंग की।

आर्यन क्रिकेड एकेडमी बनाम रुक्मणि क्रिकेट एकेडमी

टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल में नौ मार्च को जोया (अमरोहा) की आर्यन क्रिकेट एकेडमी और मुरादाबाद की रुक्मणी क्रिकेट अकादमी के बीच मैच हुआ। आर्यन के कप्तान शोएब सिद्दीकी ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। रुक्मणि ने 40 ओवर में 8 विकेट पर 290 रन बनाए। जवाब में आर्यन क्रिकेट अकादमी के सलामी बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 120 गेंदों में 100 रन की साझेदारी की। इसके बाद रुक्मणि क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाजों ने मैच में वापसी की और आर्यन की टीम को 69 रन पहले आल आउट कर दिया। 34 रन बनाने और चार विकेट लेने वाले रुक्मणि एकेडमी के आलराउंडर अक्षु बाजवा को मैन आफ द मैच की ट्राफी एसआरएमएस सीईटी डीन डा. प्रभाकर गुप्ता ने प्रदान की।

एसआरएमएस रिद्धिमा में अभिनय, कला, गीत, संगीत का धमाल

सबने किया हुनर को सलाम

संगीत कार्यशाला में प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन करने पहुंचे एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन श्री देव मूर्ति जी

- नाटक 'नागमंडल' ने दिखा पति- पत्नी का प्रेम और त्याग
- दो दिवसीय चित्रकला प्रदर्शनी को मिली लोगों की सराहना
- फाग महोत्सव में श्रोताओं पर बरसी गीत, संगीत की रसधार
- ढाई आखर प्रेम से प्रदर्शित हुई युवाओं की बदलती हुई सोच
- सितार वादक उस्ताद शाकिर खान ने कार्यशाला में दिए टिप्स
- इंस्ट्रुमेंटल सागा में इंडियन, वेस्टर्न और फ्यूजन की जुगलबंदी

बरेली: मार्च माह में एसआरएमएस रिद्धिमा का मंच पर कला, संगीत और अभिनय की हर विधा का गवाह बना। छह मार्च को इसका आगाज प्रसिद्ध नाटककार गिरीश कर्नाड के नाटक नागमंडल के मंचन से हुआ। पति-पत्नी के प्रेम और त्याग पर आधारित इस नाटक को देहरादून के एकलव्य थिएटर ने प्रस्तुत किया। चित्रकारों के हुनर को बढ़ावा देने और लोगों में चित्रकला के प्रति उत्साह वर्धन करने के लिए 12 मार्च को यहां दो दिवसीय चित्रकला प्रदर्शनी आयोजित हुई। होली से पहले फाग महोत्सव हुआ। 13 मार्च को आयोजित इस फाग महोत्सव में संगीत के रस की बरसात हुई। 24 मार्च को आज के युवाओं की बदलती हुई सोच को दिखाते हुए हास्य और प्रेम पर आधारित नाटक 'ढाई आखर प्रेम का' मंचित हुआ। वसंत कनेतकर के इस प्रसिद्धि नाटक का आयोजन फाइव एलिमेंट्स थिएटर ग्रुप की ओर हुआ और इसे राखी मानव ने निर्देशित किया। 27 मार्च को रिद्धिमा के मंच पर एक बार फिर इटावा घराने के प्रसिद्धि सितारवादक शाकिर खान उपस्थित हुए। उन्होंने सितार के माध्यम से शास्त्रीय संगीत की विभिन्न विधाओं की प्रस्तुति दी। सितार और तबले के बीच उनकी संगीतमय जुगलबंदी ने समां बांधा। इससे पहले एसआरएमएस अलखनंदा में दो दिवसीय संगीत कार्यशाला में उन्होंने विद्यार्थियों को शास्त्रीय संगीत की बारीकियों से रूबरू कराया। मार्च महीने की आखिरी शाम रिद्धिमा के मंच पर संगीत का धमाल हुआ। इंस्ट्रुमेंटल सागा कार्यक्रम में इंडियन, वेस्टर्न और फ्यूजन की जुगलबंदी ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर संगीत से सराबोर कर दिया। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी, आशा मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, ऋचा मूर्ति जी, श्यामल गुप्ता जी, वरिष्ठ नाटककार और समाजसेवी जेसी पालीवल, डा. रीता शर्मा, ट्रस्ट एडवाइजर इंजीनियर सुभाष मेहरा, रजनी अग्रवाल, गुरु मेहरोत्रा, सुरेश सुंदरानी, बरेली कालेज प्रिंसिपल डा. अनुराग मोहन भटनागर, श्री राम मूर्ति स्मारक मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा. एसबी गुप्ता, एसआरएमएस सीईटी के डीन डा. प्रभाकर गुप्ता, अनुज कुमार, आशीष कुमार और शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

लुप्त होते शास्त्रीय संगीत को रिद्धिमा दे रहा पहचान

एसआरएमएस रिद्धिमा में 27 मार्च की शाम इटावा घराने के जाने माने सितार वादक शाकिर खान के नाम रही। उन्होंने शास्त्रीय संगीत की विभिन्न विधाओं की प्रस्तुति किया। सितार और तबले के बीच जुगलबंदी को संगीत गोष्ठी में श्रोताओं ने खूब पसंद किया। कार्यक्रम की शुरुआत में एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने सितारवादक शाकिर खान का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बरेली में पहली बार इस तहह की शास्त्रीय संगीत गोष्ठी आयोजित हुई है। इसका आरंभ शाकिर खान ने राग श्याम कल्याण से किया। इसके बाद उन्होंने राग विलंबित और राग रूपक को प्रस्तुत कर भारतीय प्राचीन और वैभवशाली संगीत परंपरा की याद दिलायी। तबले पर धृति गोबिंदा दत्ता ने संगत की। इससे पहले 26 और 27 मार्च को एसआरएमएस अलखनंदा में आयोजित दो दिनी संगीत कार्यशाला में शाकिर खान ने शास्त्रीय संगीत की बारीकियां सिखाई। इसमें सीईटी के डीन डा. प्रभाकर गुप्ता, आशीष कुमार, रुचि शर्मा सहित मेडिकल कालेज, इंजिनियरिंग कालेज और रिद्धिमा के 40 विद्यार्थियों शामिल हुए। कार्यशाला में शाकिर खान ने विलुप्त होते शास्त्रीय संगीत को बढ़ाने के लिए एसआरएमएस रिद्धिमा की सराहना की। उन्होंने कहा कि रिद्धिमा की बदौलत शास्त्रीय संगीत को पुनर्जीवित किया जा रहा है। यह संगीत और समाज को जोड़ने वाला अपने आप में अनूठा प्रयास है।

पति का प्रेम पाने की जिद्दोजहद

'नागमंडल' नाटक के मंचन में पति-पत्नी के बीच पारिवारिक रिश्तों को लेकर होने वाले विवाद को दर्शाया गया। इसमें रानी नाम की महिला को उसका पति ब्याह कर लाते ही घर में बंद कर देता है और खुद दूसरी स्त्री के पास चला जाता है। पति का प्रेम पाने की लालसा रानी एक बुजुर्ग महिला को बताती है। वह एक पुड़िया देकर उसे दूध में मिला कर पति को पिलाने को कहती है। लेकिन यह दूध घर के पास बांबी में रहने वाला एक इच्छाधारी नाग पी जाता है। इसके प्रभाव से नागराज रानी से प्रेम करने लगता है और उसके पति का रूप धारण कर मिलता है। नाटक में कहानी तेजी से बदलती हैं। आखिर में नागराज रानी के प्रति उसके पति के हृदय में प्रेम जगा कर चला जाता है।

खूबसूरत कला कृतियां प्रदर्शित

रिद्धिमा में पिछले वर्ष की तरह ही इस वर्ष भी दो दिवसीय चित्रकला प्रदर्शनी आयोजित हुई। इस बार प्रदर्शनी में आशीष अग्रवाल, विनीता सक्सेना और शैल मित्तल ने अपनी 27 पेंटिंग्स को प्रदर्शित कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। तीनों चित्रकार बरेली, दिल्ली और देश के अनेक स्थानों पर अपनी कला कृतियों की प्रदर्शनी लगा चुके हैं। चित्रकारों ने कहा कि किसी भी चित्रकार द्वारा बनाए गए चित्र सिर्फ कला के प्रति उसके हुनर का प्रदर्शन ही नहीं करते हैं बल्कि उसके चित्र रंगों के माध्यम से समाज में फैली बुराइयों पर कटाक्ष करने के साथ ही बुराइयों को दूर करने का संदेश भी देते हैं। तीनों चित्रकारों के चित्रों में उमंग, उल्लास और संस्कृति का समावेश देखने को मिला।

फाग महोत्सव में हुई संगीत के रंगों की बारिश

फाग महोत्सव की शुरुआत 'रसिया को नार बनाओ री' और 'मेरी चुनरी में पड़ गयो दाग री' से हुई। गुरु स्नेहाशीष दुबे ने 'रंग चुनरी होरी' और गुरु शिवांगी मिश्रा ने 'आज सखी रास रचाओ', 'नंद के लालन पर रंग डारूंगी' को अपनी सुरीली आवाज में प्रस्तुत किया। बरेली कालेज में संगीत विभाग की विभागाध्यक्ष जयश्री मिश्रा ने 'मंगल गाओ चौक पुराओ' भजन से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। बांसुरी वादक पुनीत वर्मा और तबला वादक शिव शंभू कपूर की जुगलबंदी को दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम का अंत गुरु देवज्योति नस्कर और रियाश्री चटजह के कथक नृत्य पर प्रस्तुत होली के गीतों 'देखो होरी के खिलइया', 'होरी गतभाओ' और 'होरी खेलत हैं गिरधारी' को प्रस्तुत कर महोत्सव से हुआ।

इंस्ट्रुमेंटल सागा में जुगलबंदी

इंस्ट्रूमेंटल सागा का आरंभ भारतीय शास्त्रीय संगीत से हुआ। जिसमें कर्नाटक संगीत के महत्वपूर्ण राग 'हंसध्वनि' को प्रस्तुत किया गया। वेस्टर्न म्यूजिक को नाइटिंगेल' और 'हवाना' संगीत पेश किया गया। जिसे गिटार, वायलन, पियानो, ड्रम्स और बेस गिटार से पेश किया गया। सारंगी पर उमेश मिश्रा, सितार पर कुंवरपाल, बांसुरी पर पवनराज चौधरी, तबले पर शिवशंभू कपूर और धृति गोबिंदा दत्ता, वायलन पर सूर्यकांत चौधरी, गिटार पर आगस्टीन फ्रेडरिक, हरमोनियम पर जनार्दन भारद्वाज, ड्रम्स पर प्रियांशु मैसी, बेस गिटार पर एमैनुएल सिंह, पियानो पर आशीष सिंह और सेक्सोफोन पर रानी फिलिप्स ने खूबसूरत संगीत दिया। उनका साथ गायन गुरु शिवांगी मिश्रा ने बखूबी निभाया।

हास्य और प्रेम का ढाई आखर

नाटक में प्रोफेसर मार्तड वर्मा और प्रियम्वदा की बेटी बबली एक लड़के बाजे से प्यार करती है। वह दोनों किसी को बताए बिना शादी कर लेते हैं। लेकिन जल्द ही बबली और बाजे के बीच अनबन हो जाती है और वह उसे छोड़ कर मायके आ जाती है। दूसरी तरफ उसका भाई बच्चू सुशीला से टकराता है। वह प्यार का इजहार करता इससे पहले सुशीला की शादी हो जाती है। उसका दिल टूट जाता है। लेकिन कुछ दिनों बाद सुशीला बच्चू से मिलने आती है। वह कहती है कि पति मुझसे प्रेम नहीं करते हैं। मार्तड सुशीला को समझाकर घर वापस भेजते हैं। तभी बबली को मानने बाजे उनके घर आ जाता है और उसे अपन साथ ले जाता है। नाटक में हास्यजन्य परिस्थितियों पर दर्शक लोटपोट होते हैं।

विश्व महिला दिवस और वर्ल्ड ग्लूकोमा वीक पर जागरूकता कार्यक्रम

आपके बाद भी दुनिया देखेंगी आपकी अनमोल आंखे

हाफ मैराथन

- विद्यार्थियों ने हाफ मैराथन में ग्लूकोमा से बचाव का दिया संदेश
- 'हेल्दी आई ब्यूटीफुल आई' थीम पर आयोजित हुआ फोटो कंपटीशन
- शुभ्रा कुमारी पहले, डा. सुरभि दूसरे और अदिति तीसरे स्थान पर

बरेली: राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज में ग्लूकोमा वीक और विश्व महिला दिवस पर आठ मार्च को हाफ मैराथन और फोटोग्राफी कंपटीशन आयोजित किया गया। हाफ मैराथन में शामिल एमबीबीएस और आप्टिमेट्री के तीन सौ से ज्यादा विद्यार्थियों को मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति जी ने झंडी दिखाकर रवाना किया। जबकि फोटोग्राफी कंपटीशन के विनर्स को डायरेक्टर ऋचा मूर्ति जी और प्रिंसिपल आईएमएस डा. एसबी गुप्ता ने पुरस्कृत किया। प्रातियोगिता में शुभ्रा कुमारी पहले स्थान पर रहीं। जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमशः डा. सुरभि पांडे और अदिति कुशवाहा के फोटो को चुना गया। इन्हें क्रमशः दो हजार, पंद्रह सौ और एक हजार रुपये पुरस्कार स्वरूप दिए गए। दोनों कार्यक्रमों का आयोजन नेत्र विज्ञान विभाग ने किया।

उद्घाटन

विश्व महिला दिवस पर 'हेल्दी आई ब्यूटीफुल आई' थीम पर आयोजित फोटो कंपटीशन का उद्घाटन ऋचा मूर्ति जी, प्रिंसिपल डा. एसबी गुप्ता, नेत्र विज्ञान विभाग की प्रमुख डा.नीलिमा मेहरोत्रा ने किया। ऋचा मूर्ति जी ने सभी को विश्व महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमें महिला दिवस एक दिन के बजाय प्रतिदिन मनाना चाहिए। घर हो या बाहर महिलाओं का सम्मान हर जगह करना चाहिए। प्रतियोगिता में मेडिकल कालेज के चिकित्सकों, विद्यार्थियों सहित डेढ़ सौ से ज्यादा प्रतिभागी शामिल हुए। जिन्होंने अपनी, अपने परिजनों या दोस्तों की आंखों की फोटो प्रतियोगिता में भेजी। प्रतियोगिता में जज की भूमिका में शामिल ऋचा मूर्ति जी, डा. तारिक महमूद, डा. चित्रा त्रिपाठी, डा. लवकुश गुप्ता, डा. अमित राणा और डा. राहुल शर्मा ने फोटो को तय पैरामीटर पर परखा और विजेताओं का चुनाव किया।

इससे पहले विश्व ग्लूकोमा सप्ताह के मौके पर हाफ मैराथन आयोजित हुई। इसमें नेत्र विज्ञान विभाग के चिकित्सकों, विद्यार्थियों के अलावा अन्य विभाग के चिकित्सकों ने भी इसमें भाग लिया। हाफ मैराथन का समापन प्लाजा पर हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों ने हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर लोगों को ग्लूकोमा के प्रति जागरूक किया। इस मौके पर एसआरएमएस आईएमएस प्रिंसिपल डा. एसबी गुप्ता, मेडिकल सुप्रिटेंडेंट डा. आरपी सिंह, डा.क्रांति कुमार, डा. पीयूष कुमार, डा. ललित सिंह, डा. मिलन जायसवाल, डा. तनु अग्रवाल, डा. हुमा खान, डा. राहुल गोयल, डा. तारिक महमूद, डा. आशीष मेहरोत्रा और समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

शुभ्रा कुमारी
(फर्स्ट प्राइज)

एसआरएमएस में स्टेट ट्रेनिंग सेंटर स्थापित

प्रदेश के सभी मेडिकल कालेजों के पीजी छात्रों को मिलेगी रिसर्च संबंधी ट्रेनिंग

स्टेट ट्रेनिंग सेंटर के उद्घाटन पर मौजूद एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन श्री देव मूर्ति जी, डॉ. पद्म सिंह, प्रिंसिपल डॉ. एस. बी. गुप्ता व अन्य

बरेली: पूरे प्रदेश के मेडिकल कालेजों में पढ़ाई करने वाले पीजी छात्रों को रिसर्च और इसके प्रोटोकाल संबंधी ट्रेनिंग देने के लिए एसआरएमएस मेडिकल कालेज में स्टेट ट्रेनिंग सेंटर स्थापित किया गया। डा.पद्म सिंह रिसर्च एंड डेवलपमेंट स्कीम के तहत 11 मार्च को स्थापित इस ट्रेनिंग सेंटर का उद्घाटन एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति जी और डा.पद्म सिंह ने किया। देवमूर्ति जी ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज को रीजनल ट्रेनिंग सेंटर बनाए जाने को विद्यार्थियों के लिए बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश के सभी मेडिकल कालेज के पीजी विद्यार्थियों को रिसर्च में मदद मिलेगी और आम लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से रिसर्च क्यों, किसके लिए कर रहे हैं और इससे कितनों को फायदा होगा सोच कर ही रिसर्च वर्क करने का आह्वान किया। इस मौके पर आयोजित वर्कशाप में इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के पूर्व डायरेक्टर जनरल (डीजी) डा.पद्म सिंह ने पीजी विद्यार्थियों के साथ रिसर्च एंड डेवलपमेंट स्कीम की जानकारी दी और इस संबंध में हरसंभव मदद का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि उनके फाउंडेशन इंस्टीट्यूट आफ एप्लाइड स्टेटिक्स की ओर से

दीप प्रज्वलन

सम्मान

संचालित डा.पद्म सिंह रिसर्च एंड डेवलपमेंट स्कीम देश के सभी प्रदेशों में मेडिकल रिसर्च वर्क को बढ़ावा देने के लिए ट्रेनिंग सेंटर बना रही है। उप्र में यह रीजनल ट्रेनिंग सेंटर आज एसआरएमएस मेडिकल कालेज में स्थापित किया गया है। फिजियोलाजी विभाग की हेड डा.बिंदू गर्ग को इसकी नोडल कोआर्डिनयर हैं। डा.सिंह ने कहा कि 2018 में हमने यह स्कीम शुरू की थी। तब से अब तक हम पूरे देश में डेढ़ सौ से ज्यादा प्रोग्राम कर चुके हैं। इससे पहले प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया और मेडिकल कालेज की उपलब्धियों के साथ इसके द्वारा किए जा रहे समाजसेवा के कार्यों की जानकारी दी। डा. बिंदू गर्ग ने सभी का आभार जताया। इस मौके पर रोहतक स्थित पं.बीडी शर्मा पीजीआईएमएस के इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल हेल्थ के साइकियाट्री के प्रोफेसर (डा.) ह्रदेश खुराना, डा.पद्म सिंह रिसर्च एंड डेवलपमेंट स्कीम के नेशनल कोआर्डिनेटर डा.शुभम पांडेय, एसआरएमएस मेडिकल कालेज के सुपरिंटेंडेंट डा.आरपी सिंह, डा.एनके अरोरा, डा.पीएल प्रसाद, डा. कृष्ण गोपाल, डा.कांति कुमार, डा.प्रभाकर गुप्ता, सभी विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता 1999 में द्वितीय स्थान प्राप्त कहानी

नवनिर्माण

लेखक- कुमारी अक्षी अग्रवाल, पता- चौकसी, शाहजहांपुर

कॉलेज का वार्षिकोत्सव चल रहा था। मंच पर नाटक शुरू हुआ। नाटक का एक पात्र जो नेताजी बना हुआ था, वह भाषण दे रहा था। 'हमारी असली लड़ाई नये समाज के निर्माण की है जहाँ कोई भूखा नहीं रहेगा, गरीब नहीं रहेगा'। हम एक ऐसे देश-प्रदेश के निर्माण की एक-एक ईंट रख रहे हैं जहाँ खाने को रोटी, पहनने को कपड़े और रहने को मकान होगा। यह बड़ा काम तभी पूरा हो सकता है, जब आप सब इसमें हाथ बटायें। प्रत्येक वर्ग सम्प्रदाय और जाति के बीच में भाईचारा हो, सहयोग हो। सदभावना हो क्योंकि सदभावना ही हमारी विरासत है। नेता जी बने रामचन्दर का भाषण सुनकर हाल में बैठे सभी लोगों ने जोर-जोर से तालियाँ बजाई। समारोह के अंत में रामचन्दर का सबसे अभिन्न मित्र सादिक दौड़ता हुआ, उसे बधाई देने आया, तभी प्रधानाचार्य का चपरासी आया और उसने कहा आपको

प्रधानाचार्य साहब बुला रहे हैं। रामचन्दर जब प्रधानाचार्य के कमरे में पहुँचा तो प्रधानाचार्य बोले रामचन्दर तुम एक अच्छे एक्टर भी हो एक अच्छे विद्यार्थी होने के साथ-साथ। इसके लिए मैं तुम्हें बधाई देता हूँ। यह तुम्हारा इस कॉलेज में अंतिम वर्ष है, मुझे आशा है कि तुम सर्वाधिक अंक प्राप्त कर कॉलेज में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करोगे।

रामचन्दर ने कहा सर मैं पूरा प्रयत्न करूँगा। शाबास! मुझे तुमसे यही आशा थी- प्रधानाचार्य मुस्कुराये। रामचन्दर उन्हें धन्यवाद देकर चला आया। अब रामचन्दर और सादिक दोनों परीक्षा की तैयारी में जुटे हुए थे। दोनों ही अपने कॉलेज के माने हुए मेधावी छात्रों में से थे। परीक्षा समाप्त होने के पश्चात सादिक ने कहा अरे भाई रामचन्दर परीक्षा तो समाप्त हो गई अब तुम अपने घर चले जाओगे। तुम्हारे बिना मेरा मन नहीं लगेगा। रामचन्दर ने सादिक के कन्धे पर हाथ रखकर चुटकी लेते हुए कहा अरे भाई! थोड़ी ही तो दूर जा रहा हूँ इतनी दूर तो नहीं जा रहा हूँ जहाँ कोई आ जा न सके। दो दोस्त जो दो सगे भाईयों से भी बढ़कर थे, बिछुड़ रहे थे। सादिक की अम्मी भी उदास थीं। वह भी रामचन्दर को अपने बेटे जैसा मानती थीं। वह कहने लगीं बेटा रामचन्दर आते रहना। हम सबको तुम्हारी बहुत याद आयेगी। जी आँटी, रामचन्दर बोला आप लोगों से दूर जाने का मन तो नहीं कर रहा है, परन्तु जाना है।

सादिक रामचन्दर को छोड़ने स्टेशन तक गया। सादिक स्टेशन पर खड़ा तबतक हाथ हिलाता रहा जब तक गाड़ी ने प्लेटफॉर्म पार नहीं कर लिया। सादिक और उसकी अम्मी के निष्छल प्रेम ने रामचन्दर को इतना अभिभूत कर दिया था कि उसकी आँखें भर आई। वह अपनी आँखें पोंछते हुए सोचने लगा कि जब वह इस शहर में इण्टर कॉलेज में नवीं कक्षा में प्रवेश लेने आया था, तब वह तेरह साल का बालक था। उसका साफ सुथरा छोटा सा घर उसमें एक किरायेदार बनकर रहता था। जब दसवीं कक्षा में आया, अगस्त का महीना था कि मजहबी दँगों की चपेट में पूरा शहर आ गया। मुहल्ले के कुछ लोगों ने कहा, देखो सलमा इस हिन्दू लड़के को यहाँ से निकाल दो, यह लोग काफिर होते हैं। आँटी ने उस दिन उन लोगों को एक लम्बी फटकार लगाते हुए कहा था। शर्म आनी चाहिए, बच्चे फूलों की तरह जीवन के बाग में खिलते हैं। इनका मजहब प्रेम है निश्चलता है इन्सानियत है और तुम लोग उसी को ही निकाल देने को कहते हो। सबका सिर नीचे झुक गया था। तभी गाड़ी रूकी और सीट पर बैठे यात्री एक दूसरे पर लगभग गिर पड़े। रामचन्दर का शहर आ गया था। अत: वह उतरकर अपने घर की ओर चल दिया।

रामचन्दर के घर पहुँचने पर सब बहुत खुश हुए। माँ ने बड़े प्यार से पूछा, बेटा! तुम्हारे और सादिक के पेपर कैसे हुए? माँ हम दोनों के पर्चे बहुत अच्छे हुए। कुछ दिन बाद बैंक की परीक्षा देने के बाद रामचन्दर ने सोंचा चलो अब एक दिन जाकर सादिक से मिल आए। उन्हीं दिनों किसी ने मस्जिद के आगे मरा हुआ सुअर डाल दिया जिसको लेकर हिन्दू और मुसलमानों में गरमा-गरमी हो गयी और अन्त में टकराव शुरू हो गया। जब यह खबर रामचन्दर ने अखबार में पढ़ी की अलीगढ़ में साम्प्रदायिक दंगे भड़क उठे हैं तो उसे सादिक और उसकी अम्मी की चिन्ता सताने लगी। वह उसी दिन गाड़ी से अलीगढ़ पहुँचा पर नगर में अफरा-तफरी मची हुई थी। कई घर टूटे जले हुए दिख रहे थे। कहीं पुलिस के जवान राइफल ताने घूम रहे थे। जोश और बदले की भावना में भरे लोग सिर्फ अपना कहना और करना कर रहे थे। उनमें सोचने और समझने की शक्ति गायब हो चुकी थी। उस समय कर्फ्यू में थोड़ी ढील दी गई थी। लोग बाजारों से सामान लेने के लिए दौड़ पड़े।

रामचन्दर भी धीरे-धीरे कदम बढ़ाता हुआ सादिक के मुहल्ले में पहुँचा ही था कि तभी भगदड़ मच गई। पता चला कि कुछ दंगाइयों ने किसी व्यक्ति को बहुत मारा। मगर वह किसी तरह उनकी पकड़ से छूटकर भाग गया। वहीं दंगाई उसी ओर आ रहे

थे। रामचन्दर हडबड़ा कर एक खम्भे के पीछे छिप गया मगर उन दंगाइयों ने उसे छिपते हुए देख लिया था। उन्होंने उसे चारों ओर से घेर लिया। रामचन्दर ने हाथ जोड़कर कहा देखो मैं यहाँ अपने दोस्त सादिक से मिलने आया हूँ मेरी किसी से दुश्मनी नहीं है। पर दंगाई कब सुनने वाले थे वे उसे मारने लगे। तभी उसने देखा दंगाइयों में सादिक भी है। वह सादिक की ओर मदद के लिए बढ़ा, बोला मेरे दोस्त देखो यह लोग मुझे मार रहे हैं। तुम कुछ कहते क्यों नहीं। सादिक की आँखों में खून खौल रहा था। वह चीखते हुए बोला तुम लोगों ने मेरी अम्मी को मारा। मार डालो एक-एक को चुन-चुनकर मार डालो। रामचन्दर सादिक की अम्मी की मौत की बात सुनकर चौंक गया। अब पिटते-पिटते उसकी आँखें बन्द हुई जा रही थीं। वह जमीन पर गिर पड़ा। तभी कुछ हिन्दू दंगाई हाथ में लाठी लिए आ गए और भिड़ गए। सादिक के भी खूब चोटें आईं। इतनी देर में पुलिस आ गई और दंगाई भाग गए। वहाँ पर 5 या 6 लोग बेहोश पड़े नागरिको को अस्पताल पहुँचा दिया गया। उनमें रामचन्दर और सादिक भी थे। अस्पताल में धीरे-धीरे सबको होश आ रहा था। वह कराहते हुए आँखें खोल रहे थे। रामचन्दर और सादिक ने भी कराहते हुए आँखें खोलीं तो उन्होंने अपने आपको अस्पताल में पाया। सादिक को अपने क्रोध पर पछतावा था। तो रामचन्दर की हड्डियाँ दर्द कर रही थीं। सादिक मन ही मन सोच रहा था कि इस दंगे की जड़ एक मरा हुआ सुअर है, मगर यह सुअर किसने डाला। जब किसी ने देखा ही नहीं तो कैसे कह सकते हैं कि हिन्दू ने डाला या मुसलमान ने। फिर डलवाने वाला कौन था? क्यों लड़वाया? उसे क्या मिला? वह यह सोच रहा था कि रामचन्दर ने तन्द्रा तोड़ते हुए कहा सादिक अब कैसे हो? जवाब में सादिक की आँखों में आँसू आ गए। भरे हुए गले से बोला भाई रामचन्दर मुझे माफ कर देना। अम्मी बाजार सामान खरीदने गई थीं। वहाँ दंगा भड़का और अम्मी वहीं मारी गई। दंगाइयों ने उन्हें बहुत मारा मैं दुखी और गुस्से से पागल हो गया। यह भी न सोचा कि सभी मुसलमान अच्छे नहीं होते तो सभी हिन्दू बुरे नहीं होते।

रामचन्दर धीरे से उठकर उसके पलंग पर सिराहने बैठ गया। सादिक का सिर अपनी गोद में लेकर एक दीर्घ निवास छोड़कर कहने लगा पता नहीं लोगों में जब जोश आता है तो बुद्धि कहाँ गायब हो जाती है। यह क्यों नहीं सोंचते कि इस लड़ाई की जड़ में है कौन? हम अपनों का ही खून बहाते जाते हैं और शैतान का मकसद पूरा करते रहते हैं। वार्ड में लेटे 6-7 लोग सभी इसी दंगे के शिकार हो गए थे किसी का घर जला दिया या लूट लिया था। किसी का स्वजन मारा गया। मगर एक बेचारी बूढ़ी अम्मा रहीमन बी जो पलंग पर लेटी हुई छत की ओर ताक रही थीं, का अपराध सिर्फ इतना था कि उसने इन्सानियत को सबसे बड़ा धर्म मानते हुए एक हिन्दू दर्जी को घर में पनाह दी। पर दंगाइयों ने शक होने पर उसके घर की तलाशी ली और वहाँ छिपे दर्जी को तो मार डाला और साथ ही रहीमन बी को भी नहीं छोड़ा। भीड़ के हमले से घायल होकर रहीमन बी बेहोश हो गई। उन्हें मरा हुआ समझकर दंगाई चले गए। इस बीच पुलिस वहां आ गई और घायल रहीमन बी को अस्पताल में ले जाकर भर्ती कराया गया। अस्पताल में होश आने पर रहीमन बी ने कराहते हुए वार्ड में लेटे अन्य लोगों की ओर देखा तो सभी एक साथ बोल उठे कैसी हो? रहीमन बी धीरे-धीरे बोली ठीक हूँ बेटा। तभी पास के पलंग से दलवीर उठकर बैठता हुआ बोला अरे अम्मा मै तो एक फौजी हूँ। सरहद पर मोर्चा लेता हूँ वहाँ न कोई हिन्दू होता है और न ही मुसलमान। यहाँ हमारा घर ही जला दिया। दंगाइयों से मैने मना किया तो बोले सिक्ख भी तो हिन्दू होते हैं। इस साले को भी पकड़ो और मारो। राष्ट्रीयता की भावना लुप्त होती जा रही है। एक युवक जो कपड़े से गरीब लग रहा था। अब तक चुपचाप उन लोगों की बातें सुन रहा था। वह आवेश में लगभग चीखने के अंदाज में बोला। कोई मुझे बताये गरीबों का कोई मजहब होता है? उसकी कौम का नाम होता है गरीबी। मैं बेरोजगार हूँ मुझे घर या बाहर कोई हिन्दू या मुसलमान नहीं कहता मुझे सब बेरोजगार कहते हैं। किसने कहा है कि इन्सानियत के दुश्मन बन जाओ मुहम्मद साहब ने या रामजी ने? हाँ भाई तुम ठीक कहते हो कोई भी धर्म हिंसा की इजाजत नहीं देता। इसमें तो बेचारा गरीब ही मारा जाता है। चाहें वह हिन्दू हो या मुसलमान। लम्बी साँस लेते हुए धर्मवीर ने कहा क्योंकि इस हादसे में वह अपनी बेटी गवाँ बैठा था। रामचन्दर सादिक के पास बैठा गंभीर मुद्रा में विचार मग्न था कि तभी सादिक ने उसे झझोड़ते हुए कहा क्यो सोंच रहे हो? कुछ चौंकते हुए अपने विचारों के प्रवाह में बहते हुए रामचन्दर कहने लगा गाँधी जी कहते थे जैसे वृक्ष का एक ही तना होता है बहुत सी डालियाँ और पत्तियाँ होती हैं, उसी प्रकार सच्चा और सम्पूर्ण धर्म एक है। हमें कुछ करना होगा उन समाज विरोधी, राष्ट्र विरोधी ताकतों को एकजुट होकर कुचलना होगा। हाँ हाँ कुचलना होगा। सबने धर्मवीर की आवाज में आवाज मिलाई। सबसे पहले हमें समाज में जागृति लानी होगी ताकि उन देश विरोधी ताकतो को पहचान कर उनको नष्ट किया जा सके। यह काम एकता के बल पर ही किया जा सकता है। सभी सादिक की बात सुनकर उत्साह से बोल उठे हम सब एक हैं हम सब भारतवासी हैं। इस देश को बापू की उम्मीदों का देश बनाएंगे। वहाँ का वातावरण एक छोटे से भारत का सा लग रहा थे जिसमें जाति, धर्म सम्प्रदाय की संकीर्ण विचारधारा से परे देशभक्त इंसान बसते हों।

(समाप्त)

क्षय रोगियों को पौष्टिक आहार वितरण

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल साइंसेज में 30 मार्च को राष्ट्रीय क्षय रोग कार्यक्रम के तहत गोद लिए गए 15 टीबी मरीजों को पोषण आहार वितरित किया गया। एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति जी ने पोषण आहार वितरित किया। उन्होंने कहा कि सभी को छह माह तक मासिक पोषण आहार का वितरण किया जाएगा। इस मौके पर एसआरएमएस आईएमएस प्रिंसिपल डा. एसबी गुप्ता, मेडिकल सुप्रिंटेंडेंट डा. आरपी सिंह, डा. राजीव टंडन, डा. अभिनव पांडेय, डा. मयंक सक्सेना, एमएसडब्ल्यू योगिता शर्मा और विभिन्न विभाग के चिकित्सक मौजूद रहे।

पैरामेडिकल के विधार्थियो को स्मार्टफोन

बरेली: श्रीराममूर्ति स्मारक कालेज सभागार में 31 मार्च को पैरामेडिकल 2017-18 बैच के बीएससी थर्ड ईयर और फोर्थ ईयर के 95 विद्यार्थियों को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा डिजी शक्ति कार्यक्रम के तहत स्मार्टफोन वितरित किए गए। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने सभी को विद्यार्थियों को स्मार्टफोन प्रदान किए। कार्यक्रम में डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति जी, एसआरएमएस मेडिकल कालेज प्रिंसिपल डा. एसबी गुप्ता, आईपीएस प्रिंसिपल डा. कृष्ण गोपाल, मेडिकल सुप्रिंटेंडेंट डा. आरपी सिंह, प्रिंसिपल, डा. आशीष चौहान, डीएसडब्ल्यू डा. इमरान अहमद अंसारी मौजूद रहे।

कारपोरेट जगत के मिथकों को किया दूर

बरेली: एसआरएमएस सीईटी में 15 मार्च को पूर्व छात्र अतिथि श्रंखला के तहत गेस्ट लैक्चर आयोजित हुआ। इसमें 2011-15 बैच के पूर्व छात्र, लीड एनालिसिस्ट विवेक गुप्ता शामिल हुए। उन्होंने विद्यार्थियों को कारपोरेट जगत के मिथकों को दूर किया। पांच मार्च को भी फार्म फार फूल पोटेंसियल के सीईओ आनंद प्रकाश, यूनिकनवर्ज टेक्नालाजिस एंड आईओटी एकेडमी के कोफाउंडर कौशलेंद्र सिंह सिसोदिया शामिल हुए। इस मौके पर डीन एकेडमिक्स डा. प्रभाकर गुप्ता, ट्रेनिंग एंट प्लेसमेंट सेल के डायरेक्टर डा.अनुज कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर आशीष अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, निर्मल जोशी मौजूद रहे।

क्लीनिकल रिसर्च के लिए एमओयू साइन

बरेली: एसआरएमएस सीईटी में 15 मार्च को फार्मेसी विभाग और मित्तल ग्लोबल क्लीनिकल रिसर्च के बीच सहमति पत्र पर भी हस्ताक्षर हुए। इसमें मित्तल ग्लोबल क्लीनिकल ट्रायल सर्विसेज नागपुर के डायरेक्टर एंड क्लीनिकल आरेशन व रिसर्च के हेड डा.अभिजीत मुंशी ने फार्मास्युटिकल सेक्टर में रोजगार के अवसरों के साथ ही क्लीनिकल ट्रायल से जुड़े पहलुओं की जानकारी दी। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति, डा. प्रभाकर गुप्ता, डीएसडब्ल्यू कपिल भूषण, डा.नितिन शर्मा, शिप्रा शर्मा और सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

मूट कोर्ट में बरेली कालेज की टीम विजयी

बरेली: एसआरएमएस कालेज आफ ला में दो दिवसीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता आयोजित की गई। 12 मार्च को इसका फाइनल बरेली कालेज और हिमगिरि विश्वविद्यालय की टीमों के बीच हुआ। जिसमें बरेली कालेज की टीम विजयी रही। कार्यक्रम में देव मूर्ति जी, जिला उपभोक्ता फोरम के जज घनश्याम पाठक, सेवानिवृत न्यायाधीश एनसी हरित, सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट अवधेश चौधरी और हरीश पांडेय, उपभोक्ता फोरम की सदस्य मुक्ता गुप्ता, सुभाष मेहरा, ला कालेजे के प्राचार्य डा.एमबीएल शर्मा मौजूद रहे। घनश्याम पाठक ने कानून के विद्यार्थियों के लिए ऐसे आयोजनों को सराहा और बधाई दी।

इंजीनियरिंग में एडवांस रिसर्च ट्रेड्स पर संगोष्ठी

बरेली: एसआरएमएस सीईटी के इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन, इलेक्ट्रिक एंड इलेक्ट्रानिक्स एवं यांत्रिकी विभाग की ओर से एडवांस रिसर्च ट्रेड्स इन इंजीनियरिंग विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 26 फरवरी को आयोजित हुई। इसमें महर्षि विश्वविद्यालय लखनऊ के कुलपति डा.भानु प्रताप और एएमयू के प्रोफेसर डा.रिजवान अहमद ने अपना व्याख्यान दिया। संगोष्ठी में 108 शोध पत्र पढ़े गए। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति, डीन एकेडेमिक्स डा.प्रभाकर गुप्ता, प्रोफेसर पी वेलमुरगन सभी विभागाध्यक्ष और फैकेल्टी मेंबर उपस्थित रहे।

टायरो क्लब के पदाधिकारियों ने ली शपथ

बरेली: एसआरएमएस सीईटी में 12 मार्च को टायरो क्लब 2022 के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। क्लब की पूर्व अध्यक्ष शिवांगी शुक्ला ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष रौनक तिवारी को शपथ दिलाई। रौनक तिवारी ने क्लब के अन्य सदस्यों को शपथ दिलाई। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार, डा.नितिन शर्मा. कपिल भूषण और विभिन्न विभागाध्यक्ष मौजूद रहे। देव मूर्ति जी और आदित्य जी ने टायरो क्लब की नई टीम के सभी सदस्यों को बधाई दी।

फ्री हेल्थ चेकअप कैंप, महिला सशक्तिकरण

बरेली: एसआरएमएस कालेज आफ नर्सिंग और रूरल हेल्थ ट्रेनिंग सेंटर की ओर से सात मार्च को धौराडांटा में फ्री हेल्थ चेकअप कैंप लगाया गया। इसमें पुरुषों के साथ ही महिलाओं ने भी अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। इस दौरान गांव के बुर्जुग और महिलाओं को निशुल्क दवाईयों का वितरण भी किया गया। नर्सिंग के विद्यार्थियों ने 15 मार्च को धौराडांटा में महिला सशक्तिकरण पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। नाटक के माध्यम से समाज में महिलाओं की स्थिति और उनके सशक्तिकरण का मुद्दा उठाया गया। इस मौके पर शाहबाज खान और कम्यूनिटी विभाग के साथी मौजूद रहे।

डा.अमरेश अग्रवाल / एसआरएमएस मेडिकल कालेज

27वीं वार्षिक कार्डिकोन 2022 में व्याख्यान

केजीएमयू के कार्डियोलाजी विभाग की ओर से दो दिवसीय कार्डिकोन 2022 आयोजित किया गया। लखनऊ स्थित अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कंवेंशन सेंटर में 26 और 27 मार्च को कार्डियोलाजी सोसायटी आफ इंडिया के यूपी चौप्टर के इस 27वीं वार्षिक साइंटिफिक प्रोग्राम में उ.प्र. और दिल्ली सहित तमाम प्रदेशों के एक हजार से ज्यादा कार्डियोलाजिस्ट शामिल हुए। इसमें तमाम कार्डियोलाजिस्ट को अपने शोध पत्र और केस स्टडी प्रस्तुत करने का मौका मिला। एसआरएमएस मेडिकल कालेज के कार्डियोलाजिस्ट डा.अमरेश अग्रवाल भी इसमें शामिल हुए। उन्होंने मेटाबोलिक माड्युलेशन इन क्रोनिक कारोनरी सिंड्रोम पर व्याख्यान दिया।

डा.मनोज गुप्ता / एसआरएमएस मेडिकल कालेज

कार्डियोवैस्कुलर डिजीज रिसर्च में शोध प्रकाशित

डॉ. मनोज गुप्ता

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में बायोकैमेस्ट्री के एसोसिएट प्रोफेसर (डा.) मनोज गुप्ता ने आईसीयू में क्रिकिटल पेशेंट के इलाज में सीरम मैग्नीशियम लेबल की उपयोगिता पर स्टटी की। रेस्पेरेटरी मेडिसिन विभाग के एचओडी प्रोफेसर और आईसीयू इंचार्ज (डा.) ललित सिंह के निर्देशन में उन्होंने एसआरएमएस मेडिकल कालेज के आईसीयू में भर्ती मरीजों की केस स्टडी की। सितंबर 2018 से फरवरी 2020 के बीच करीब 170 मरीज के सैंपल लिए। इसका अध्ययन किया। जो चौकाने वाला था। रिसर्च में सीरम मैग्नीशियम की उपयोगिता की जानकारी मिली। जिसमें पता चला कि आईसीयू में भर्ती जिन क्रिटिकल मरीजों में सीरम मैग्नीशियम कम होता है उनमें मृत्यु की आशंका ज्यादा होती है। डा.मनोज की यह रिसर्च प्रतिष्ठित पत्रिका जर्नल आफ कार्डियोवैस्कुलर डिजीज रिसर्च के मार्च माह के अंक में प्रकाशित हुई है।

डा.तारिक महमूद / एसआरएमएस मेडिकल कालेज

मरीजों पर सक्रिय जीवन का असर नहीं

डॉ. तारिक महमूद

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में बायोकैमिस्ट्री के एचओडी डा.तारिक महमूद ने डायबिटीज एंड मेटाबोलिक सिंड्रोम पर क्लीनिकल रिसर्च किया। ऋषिकेश और उसके आसपास के गांवों में पहाड़ी इलाके के लोगों पर पहली बार इस तरह का कोई साइंटिफिक अध्ययन किया गया। इसमें उनका सहयोग ऋषिकेश स्थित एम्स के डा.राजीव गोयल और डा.वर्तिका सक्सेना ने दिया। डायबिटीज रोगियों पर किए गए इस अध्ययन में पाया गया कि पहाड़ी इलाकों में डायबिटीज फिजिकल एक्टिविटी करने वाले लोगों पर असर डाल रहा है। सक्रिय जीवन का भी डायबिटीज पर कोई खास असर नहीं पड़ता। इसे प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल पबमेड ने अपने मार्च के अंक में स्थान दिया है।

ईएनटी एंड एचएनएस टीम / एसआरएमएस मेडिकल कालेज

डा. रोहित शर्मा फिर बने यूपीएओआई के मानद सचिव, डा. अमित राणा को फैलोशिप

एसआरएमएस मेडिकल कालेज के ईएनटी एंड एचएनएस विभागाध्यक्ष डा.रोहित शर्मा के नेतृत्व में विभागीय टीम ने पिछले माह ओटोलैरिंगोलोजिस्ट एसोसिएशन की 38वीं स्टेट कांफ्रेंस में हिस्सा लिया। यूपी एओआईसीएन नाम से यह स्टेट कांफ्रेंस झांसी के महारानी लक्ष्मी बाई मेडिकल कालेज के ईएनटी एंड एचएमएस विभाग द्वारा 26 और 27 मार्च को आयोजित हुई। डा.रोहित ने यहां सिर और गर्दन के कैंसर पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जबकि अन्य सभी सदस्यों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। इसमें डा.रोहित को फिर से अगले तीन वर्ष के लिए यूपीएओआई का मानद सचिव चुना गया। डा.अमित राणा ने जूनियर कंसल्टेंट रिसर्च पेपर कैटेगरी में गोल्ड जीता। इसके तहत इन्हें पचास हजार का प्राइज और एक महीने की ट्रैवल फैलोशिप प्रदान की गई। डा.अमित को यूपीएओआई की एग्जीक्यूटिव कमेटी का मेंबर भी चुना गया। विभाग की डा. नंदिनी सेठी (जेआर3) को पीजी रिसर्च पेपर में दूसरा स्थान मिला। उन्होंने डा. अंजलि त्यागी (जेआर3) के साथ पीजी क्विज में दूसरा स्थान हासिल किया।

Crosswords No. 23

HORIZONTAL

1. Tea was discovered in this country
3. The desert country famous for its windcatchers
5. The worlds largest country having the longest railway
7. Home to world's oldest skyscraper city
9. Oldest independent country in the world
11. Famous for ancient aflaj oases and irrigation system
13. Worldwide famous for Shinto shrine and Buddhist temples
15. Country of known as cradle of civilization
17. The only country with world 100% literacy rate

VERTICAL

2. Second most populous country in the world famous for its cultural heritage.
4. It has the highest mountain peak in the world
6. Buddhist kingdom on Himalayas famous for monasteries.
8. Only Jewish nation in the world
10. Large peninsular country that bridges Europe and Asia
12. Also known as Lion city
14. Famous for natural resouces gas and oil pearls
16. The slogan of this country is unity, socialism, freedom
18. Capital of this country is Kuala lumpur

क्रॉस वर्ड एवं सुडोकू का
परिणाम अगले अंक में देखें

Sudoku No. 23

3	6				9		8	
		2				6		
4		8		5				9
	8		3		2		6	
2						3		
	3			6				2
		5	8			4		3
				3			2	
8		3			4			6

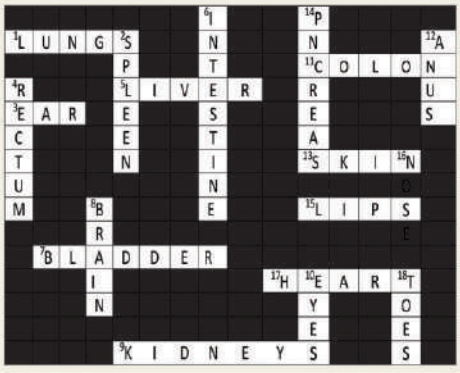

Answer: Crosswords No. 22

5	3	9	1	4	6	8	7	2
8	4	7	9	2	5	3	1	6
2	6	1	3	7	8	9	5	4
6	7	5	4	8	1	2	9	3
9	1	2	6	3	7	5	4	8
4	8	3	5	9	2	7	6	1
3	2	6	7	1	9	4	8	5
7	5	8	2	6	4	1	3	9
1	9	4	8	5	3	6	2	7

Answer: Soduko No. 22

SRMS

बरेली में

समस्त विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त पहला
किडनी ट्रान्सप्लांट सेंटर

पहला सफल किडनी ट्रान्सप्लांट
करने पर SRMS की विशेषज्ञ टीम को शुभकामनाएं

किडनी ट्रान्सप्लांट टीम

डॉ. संजय कुमार
एमडी, डीएनबी (नैफ्रोलॉजी)
ट्रान्सप्लांट फिजिशियन

डॉ. विद्यानंद
एमडी, डीएनबी (नैफ्रोलॉजी)
ट्रान्सप्लांट फिजिशियन

डॉ. महेश त्रिपाठी
एमएस, एमसीएच (यूरोलॉजी)
किडनी ट्रान्सप्लांट सर्जन

डॉ. रेहान फरीद
एमएस, एमसीएच (यूरोलॉजी)
किडनी ट्रान्सप्लांट सर्जन

डॉ. विश्वदीप सिंह
(ट्रान्सप्लांट ऐनेस्थेटिस्ट)

डॉ. अलंकृता अग्रवाल
(ट्रान्सप्लांट ऐनेस्थेटिस्ट)

डॉ. नीरज प्रजापति
(ट्रान्सप्लांट रेडियोलॉजिस्ट)

डॉ. संगीता कुमारी
(ट्रान्सप्लांट रेडियोलॉजिस्ट)

डॉ. मिलन
(ट्रान्सप्लांट कन्सलटेंट-ट्रान्सफ्यूजन मेडिसिन)

175000 से अधिक डायलिसिस एवं 20 हजार से अधिक गुर्दा सर्जरी का अनुभव
16 बेड का अत्याधुनिक डायलिसिस यूनिट

✆ 9458704444, 9458706531

श्री राम मूर्ति स्मारक इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
13 किमी॰,बरेली-नैनीताल रोड, भोजीपुरा, बरेली | www.srms.ac.in